दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 09 | हरिद्वार | शनिवार, 1 मार्च, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

एकल सदस्यीय समर्पित आयोग के अध्यक्ष बी.एस वर्मा ने मुख्यमंत्री से भेंट की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरूवार को एकल सदस्यीय समर्पित आयोग के अध्यक्ष बी.एस वर्मा ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में भेंट की। राज्य के भीतर स्थानीय निकायों में सभी स्तरों पर अन्य पिछड़ा वर्ग के पिछड़ेपन की प्रकृति और उसके निहितार्थों की समसामयिक एवं अनुभवजन्य तरीके से गहन जाँच किये जाने के लिए गठित एकल सदस्यीय समर्पित आयोग के अध्यक्ष बी.एस वर्मा ने ग्रामीण स्थानीय निकायों के सामान्य निर्वाचन के प्रयोजनार्थ अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण / प्रतिनिधित्व दिये जाने के लिए (शेष 12 जनपदों) की तृतीय रिपोर्ट सौंपी। इससे पहले आयोग द्वारा 14 अगस्त 2022 को जनपद हरिद्वार की प्रथम रिपोर्ट सौंपी गई थी। जनपद हरिद्वार की (प्रथम रिपोर्ट) एवं शेष 12 जनपदों की (तृतीय रिपोर्ट) के त्रिस्तरीय पंचायतों में यथा जिला पंचायत अध्यक्षों के कुल 13 स्थान, जिला पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्ड) के कुल 358

स्थान, क्षेत्र पंचायत प्रमुख के कुल 89 स्थान, क्षेत्र पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्ड) के कुल 2974 स्थान, ग्राम पंचायत प्रधानों के कुल 7499 स्थान एवं ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्ड) के कुल 55589 स्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग को समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिए वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अपनी संस्तुति दी गई है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजानदास, श्रीमती सविता कपूर, बृजभूषण गैरोला, सचिव पंचायती राज चन्द्रेश यादव, निदेशक पंचायती राज निधि यादव, अपर सचिव पंचायती राज पन्ना लाल शुक्ला, सदस्य सचिव/संयुक्त सचिव डी०एस० राणा, उप निदेशक / प्रभारी सदस्य सचिव मनोज कुमार तिवारी एवं समर्पित आयोग से सुबोध बिजल्वाण उपस्थित रहे।

जाने माने गुरुओं के सानिध्य में होगा अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव

देहरादून। ऋषिकेश में 01 मार्च से 07 मार्च के बीच होने जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में धर्म, आध्यात्म और योग जगत के जाने माने गुरुओं और योगाचार्य का भी सानिध्य मिलेगा। योग महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा। गढ़वाल मण्डल विकास निगम और पर्यटन विभाग द्वारा, गंगा रिसोर्ट ऋषिकेश में अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जीएमवीएन के एमडी विशाल मिश्रा ने बताया कि आयोजन में इस बार 20हजार से अधिक योग साधक और प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। महोत्सव में स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी आत्मस्वरूप, जया किशोरी, अक्षत गुप्ता का मार्गदर्शन मिलेगा। इसके साथ ही प्रतिदिन शाम को होने वाले सांस्कृतिक समारोह में इंडियन ओशियन, प्रेम जोशुआ, ज्योति नूरान, नरेंद्र सिंह नेगी और उत्तराखंडी लोक नृत्यों की प्रस्तुति होगी। इसके साथ ही अलग अलग सत्रों में ग्रैंड मास्टर अक्षर, योगी अभिषेक सोती, योगिनी उषा माता, डॉ लक्ष्मी नारायण जोशी, डॉ अर्पिता नेगी, योगिनी उर्मिला पांडेय और मेघा चौधरी भी लैक्चर देंगी। प्रतिदिन देश-विदेश के योगाचार्यों द्वारा साधकों और योग प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराये जाएंगे। ऋषिकेश में तीन दशक से अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जीएमवीएन के एमडी विशाल मिश्रा ने बताया कि गत वर्ष आयोजन में 42 देशों के 890विदेशी मेहमानों ने प्रतिभाग किया था, इस बार यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। प्रतिभाग के लिए ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन भी पंजीकरण किए जा रहे हैं, ऑनलाइन पंजीकरण https://gmvnonline.com पर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस बार योग महोत्सव ग्रीन थीम पर आयोजित किया जा रहा है, इसलिए महोत्सव से पहले और बाद में आयोजन स्थल और गंगा तट पर विशेष सफाई अभियान संचालित किया जाएगा। ऋषिकेश, सदियों से योग की भूमि रही है। देश- विदेश के योग साधक इसीलिए ऋषिकेश खींचे चले आते हैं।

रोजगार देने वाली कंपनी का संचालक हुआ धोखाधड़ी का शिकार मुकदमा दर्ज

देहरादून। औद्योगिक कर्मचारियों को रोजगार उपलब्ध कराने वाली कंपनी के संचालक धोखाधड़ी का शिकार हो गए। उनकी कंपनी के 150 युवकों को रोजगार दिलाने का झांसा देकर उनसे 48.27 लाख रुपये की ठगी की गई। तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राकेश कुमार मिश्रा निवासी चंदन नगर का कहना है कि उनकी कंपनी औद्योगिक कर्मचारियों की नियुक्ति का कार्य करती है। उनके पुराने परिचित दीपक राणा और लवकुश तिवारी ने उन्हें बताया कि रॉय स्पोर्ट्सवियर सेक्टर-पांच, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा को 150 कर्मचारियों की आवश्यकता है। वह कंपनी की संचालक सुषमा शर्मा से मिले। सुषमा ने अपने दो साथियों संग आकर पीड़ित से कर्मचारियों की भर्ती के लिए एग्रीमेंट किया। अनुबंध के तहत रॉयल स्पोर्ट्सवियर में पहले काम कर रहे 94 कर्मचारियों का भुगतान पीड़ित की कंपनी को करना था। इस शर्त के आधार पर मिश्रा की कंपनी ने 28 और 29 जनवरी 2024 को 39.25,705 रुपये ट्रांसफर किए। अनुबंध के अनुसार, 20 फरवरी 2024 को रोजगार उपलब्ध कराने वाली कंपनी को कुल 48.27 रुपये लौटाने थे। जिसके लिए उन्होंने पोस्ट डेटेड चेक दिए। जब मिश्रा ने 20 फरवरी 2024 को बैंक में चेक लगाया तो पता चला कि जिस खाते का चेक दिया गया था वह पहले से ही 16 दिसंबर 2023 से न्यायालय से फ्रीज किया जा चुका था।

गुरुकृपा दर्पण
(राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की।
सम्पर्क करें –
9410731129, 9548880101

डीजीपी के नाम से एसपी से मांगे 50 हजार, चार गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक से एक साइबर अपराधी द्वारा डीजीपी के नाम से पैसे की डिमांड की जा रही थी, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने पकड़ने में कामयाबी पा ली है। साइबर ठगी करने वाले आरोपियों के इस गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इधर, कामयाबी पाने वाली पुलिस टीम को एसपी ने ढाई हजार और पुलिस उप महानिदेशक अपराध एवं कानून से पांच हजार के इनाम की घोषणा की गई है। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने बताया कि जनवरी माह में उनकी सीयूजी (सरकारी) मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नम्बर से व्हट्सएप मैसेज भेजा गया। जिस पर सामने वाले व्यक्ति ने स्वयं का परिचय दीपम सेठ, पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड के रूप में दिया। साथ ही बैंक खाते में 50 हजार की धनराशि डालने का अनुरोध किया गया। एसपी अक्षय प्रहलाद कोंडे ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली रुद्रप्रयाग में मुकदमा दर्ज करवा दिया। साथ ही निरीक्षक राकेश कुमार प्रभारी साइबर सेल रुद्रप्रयाग को विवेचना सौंप दी। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान खाते एवं मोबाइल का संचालन महाराष्ट्र एवं राजस्थान में होना पाया गया। मामले के खुलासे के लिए जिला स्तर पर टीम गठित कर दबिश, छापेमारी के लिए महाराष्ट्र एवं राजस्थान के लिए रवाना की गई। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने संबंधित स्थानों पर पहुंचकर एक माह तक वहीं रहकर स्थानीय स्तर पर छापेमारी, एआई व मोबाइल फोरेंसिक के उपयोग से इस मामले में प्रथम दृष्टतया 6 लोगों की संलिप्तता पाई। इसमें 4 लोगों को राजस्थान से हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान इन चारों व्यक्तियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर सभी को नियमानुसार गिरफ्तार कर संबंधित स्थानीय न्यायालय में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर रुद्रप्रयाग लाया गया है। आरोपियों से जरूरी पूछताछ के बाद जनपद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले में सफलता पाने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक ने ढाई हजार और पुलिस उप महानिदेशक अपराध एवं कानून की तरफ से पांच हजार के इनाम देने की घोषणा की गई है। पुलिस टीम में निरीक्षक राकेश कुमार प्रभारी साइबर सेल पुलिस कार्यालय रुद्रप्रयाग, उप निरीक्षक रणजीत खनेड़ा, आरक्षी कुलदीप सिंह, राकेश कुमार, आरक्षी रविन्द्र सिंह एसओजी रुद्रप्रयाग, आरक्षी विनय एसओजी रुद्रप्रयाग शामिल रहे। ये आरोपी किए गए गिरफ्तार- राजू प्रजापत पुत्र दौलतराम प्रजापत, निवासी गली नंबर 05 वार्ड नंबर 46, कुम्हारों का मौहल्ला गणेश टैंट हाउस थाना गंगाशहर जिला बीकानेर राजस्थान, ललित किशोर उपाध्याय पुत्र प्रकाश चन्द उपाध्याय, निवासी कुम्हारों का मौहल्ला, राजस्थान, मोहम्मद अयूब पुत्र मोहम्मद सलीम, निवासी लाल गुफा रोड, हम्मालों की बारी के बाहर, थाना सिटी कोतवाली, जिला बीकानेर, राजस्थान।

सम्पादकीय

टैरिफ की मार

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क (रेसीप्रोकल टैरिफ) से जो देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, उनमें भारत भी है। एसएंडपी की आकलन रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो ट्रंप प्रशासन के इस कदम से सारी दुनिया प्रभावित होगी, लेकिन एशिया- प्रशांत क्षेत्र के देशों को इससे सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। वियतनाम, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका से अधिक जुड़ी हुई हैं। भारत और जापान की घरेलू अर्थव्यवस्थाएं अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं, इससे ये दोनों एक हद तक ट्रंप के टैरिफ की मार को झेल जाएंगे। मगर दोनों देशों के लिए अमेरिका वह स्थल है, जहां उनके निर्यात की बड़ी मात्रा जाती है। जिन चंद बड़े देशों के साथ कारोबार में भारत व्यापार लाभ की स्थिति में है, उनमें अमेरिका प्रमुख है। वरना, चीन और रूस जैसे देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ता चला गया है।

जीवन का असली सार है शिव आराधना : मदन कौशिक

संवाददाता।

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल की ओर से खड़खड़ेश्वर महादेव मंदिर में चार पहर की पूजा के बाद प्रसाद भंडारा लगाया गया। इसमें विधायक मदन कौशिक और मेयर किरण जैसल ने कहा कि शिव की पूजा से सभी का कल्याण होता है। विश्व में शिव महिमा गुणगान से खुशहाली आती है। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने बताया कि खड़खड़ेश्वर महादेव मंदिर में हर साल इस तरह का आयोजन किया जाता है। इस दौरान विश्वास पुरी महाराज, महानगर संरक्षक डॉ. श्याम पुरी, संजय पालीवाल, ओम प्रकाश जमदग्नि, आकाश पुरी, शहर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पाराशर, शिव कुमार कश्यप, विशाल, तेज प्रकाश साहू, संजय त्रिवाल, पार्षद हिमांशु गुप्ता, अंकेश भाटी, महावीर वशिष्ठ, अनिल वशिष्ठ, कन्हैया खेवड़िया, विदित शर्मा, विपिन शर्मा, भूदेव शर्मा, सुनील मनोचा, पंकज माटा, ललित पूरी, डॉ. प्रेम सतलेवाल, मनोज कुमार उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए 12 ने ठोकी दावेदारी

उत्तरकाशी। पौड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए 12 लोगों ने अपने नामांकन करवाए हैं। रायशुमारी के बाद सूची दो मार्च तक प्रदेश को भेजी जाएगी। जिलाध्यक्ष की दावेदारी में वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्ष सहित जिला महामंत्री भी शामिल हैं। पार्टी के जिला चुनाव अधिकारी विनोद रतूड़ी ने बताया कि भाजपा के जिलाध्यक्ष पद पर पार्टी की रायशुमारी बैठक आयोजित हुई। भाजपा के सांगठनिक जनपद पौड़ी में जिलाध्यक्ष पद पर 12 पदाधिकारियों ने दावेदारी की है। इनमें दो महिला दावेदार भी शामिल हैं। गुरुवार को सर्किट हाउस पौड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष पौड़ी के पद पर निर्वाचन प्रक्रिया हुई। यहां पहुंचे भाजपा पर्यवेक्षक दर्जाधारी राज्यमंत्री चंडी प्रसाद भट्ट, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र पुंडीर व चुनाव अधिकारी विनोद रतूड़ी ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से रायशुमारी की। इस दौरान चुनाव अधिकारी के सामने जिलाध्यक्ष पद पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुषमा रावत, जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर रावत, जिला महामंत्री शशि रतूड़ी, पूर्व जिला महामंत्री व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जगत किशोर बड़थ्वाल, एकेश्वर ब्लाक प्रशासक नीरज पांथरी, पूर्व जिलाध्यक्ष संपत रावत, पूर्व जिला महामंत्री ओम प्रकाश जुगराण ने दावेदारी पेश की। इनके अलावा पूर्व जिला उपाध्यक्ष दलवीर नेगी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमनलता ध्यानी, प्रह्लाद रावत, नरेंद्र रावत व नरेंद्र डंडरियाल शामिल हैं। रायशुमारी में जिला पदाधिकारी, मोर्चों के जिलाध्यक्ष व महामंत्री, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रतिनिधि, विधायक, प्रदेश मोर्चो के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, ब्लाक प्रमुख, पूर्व जिलाध्यक्ष ने अपनी-अपनी राय दी। चुनाव अधिकारी विनोद रतूड़ी ने बताया कि जिलाध्यक्ष पौड़ी के पद पर चुनाव प्रक्रियां की गई है। जिसकी रिपोर्ट पार्टी प्रदेश अध्यक्ष को सौंपी जाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता पुष्कर जोशी, राकेश ध्यानी, वासुदेव कंडारी, क्रांति किशोर नेगी, जिला मीडिया प्रभारी गणेश भट्ट, बबीता रावत आदि मौजूद रहे।

मानव सेवा समिति ने स्कूलों को कंप्यूटर दिए

कोटद्वार। सामाजिक संस्था उत्तराखण्ड मानव सेवा समिति ने पौड़ी गढ़वाल व टिहरी जनपद के राजकीय और सरकार द्वारा अनुदानित 27 विद्यालयों में कम्प्यूटर व प्रोजेक्टर वितरित किए गए। लैंसडौन स्थित गढ़वाल रेजिमेंटल सेंटर के सुरजन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्रिगेडियर विनोद नेगी, समिति के अध्यक्ष बी एन शर्मा व जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी ने किया। ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने कहा आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है और मानव सेवा समिति द्वारा दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शैक्षिक उपकरण उपलब्ध कराना एक सराहनीय कार्य है। समिति के अध्यक्ष बी एन शर्मा ने कहा उनका लक्ष्य उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के अधिकतर विद्यालयों में डिजिटल शैक्षिक उपकरण उपलब्ध कराना है। उनकी संस्था उत्तराखण्ड के विभिन्न जिलों में 100 से अधिक विद्यालयों को डिजिटल उपकरणों से लैस कर चुकी है। उन्होंने सुजीत कुमार द्वारा इन उपकरणों हेतु चार लाख रुपये की राशि देने पर समिति की ओर से आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर गणेश पसबोला, डॉ. महावीर बिष्ट, संजय रावत, जयवीर बिष्ट, अजय बिष्ट, जनार्दन जोशी, मनमोहन रौतेला, मेजर नवल किशोर आदि मौजूद थे।

दो माह से वेतन नही मिला, कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

हरिद्वार। बहादराबाद इंडस्ट्रियल एरिया की बल्ब बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है। आक्रोशित कर्मचारी कंपनी में काम करने से पहले धरने पर बैठ गए। कंपनी ने भी कर्मचारियों को एक माह का वेतन एक-दो दिनों में वेतन देने की बात कही है। गुरुवार सुबह सुबह बल्ब बनाने वाली कंपनी के कर्मचारी ड्यूटी पर पहुंचे। कंपनी मैनेजमेंट से वेतन देने की बात कही लेकिन, उन्हें कोई सटीक जवाब नहीं दिया गया। भीम आर्मी जय भीम के पदाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद आक्रोशित कर्मचारी कंपनी मैनेजमेंट के खिलाफ कंपनी गेट पर नारेबाजी कर धरने पर बैठ गए।

मधुमेह की बढ़ती समस्या को नियंत्रित करने के उपाय बताए

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारियों और इलाके के लोगों ने भाग लिया। शिविर में मधुमेह की बढ़ती समस्या, इसे नियंत्रित करने के उपाय, संतुलित आहार तथा शारीरिक गतिविधियों के विषय में लोगों का जागरूक किया गया। स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी, प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम के प्रबंधक डॉ. संजय शाह और उनकी टीम ने योगदान दिया। डॉ. श्वेतांक ने बताया कि दो दिवसीय शिविर का उद्देश्य मधुमेह जागरूकता बढ़ाना, रोग की शीघ्र पहचान करना और उचित परामर्श प्रदान करना था।

नशीली दवाओं के बड़े सौदागर पर पुलिस का शिकंजा

हरिद्वार । ज्वालापुर पुलिस और एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली दवाओं के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने औषधि निरीक्षक की मौजूदगी में सीतापुर अंडरपास के पास स्थित इंद्र मेडिकल स्टोर पर छापा मारा, जहां एक व्यक्ति नशीली दवाओं की बिक्री करने पहुंचा था। टीम ने मौके से 2,063 टेबलेट, 2,400 कैप्सूल, 15 इंजेक्शन, 112 बोतल सिरप और 1 लाख 70 हजार रुपये की नकदी बरामद की। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मेडिकल स्टोर पर नशीली दवाओं की सप्लाई करने आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने औषधि निरीक्षक और एएनटीएफ को जानकारी दी और एक संयुक्त टीम बनाकर मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान अवनेंद्र कुमार सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम कांगड़ी, थाना श्यामपुर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

न रुकने का, न थकने का सिर्फ चलते रहने का नाम है दिग्विजय सिंह

योगेन्द्र सिंह परिहार

लोग स्वेच्छा से अपने जीवन के लक्ष्य तय करते हैँ कि उन्हें किस रास्ते पर जाना है।रास्ते कोई भी हों, बिना मेहनत के किसी को भी सफलता नहीं मिलती। खेती करना, नौकरी करना, व्यवसाय करना, जन सेवा करना ये सभी रास्ते कठिनाई से भरे होते हैँ। सार्वजनिक जीवन में आना भी कोई चुनौती से कम नहीं होता। कहने को जनप्रतिनिधि एक छोटा सा शब्द है लेकिन अपने व्यक्तिगत जीवन को तिलांजलि देकर, पूरे घर परिवार के सुख को ताक में रखकर जीने का नाम जनसेवक है। जनता से जुड़े रहने वाले जनप्रतिनिधि की जब भी बात होती है तो मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह जी का नाम अपने आप ज़हन में आ जाता है। दिग्विजय सिंह जी जब पहली बार 1969 में राघौगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष के रूप में जनप्रतिनिधि बने तब उन्होंने स्वयं भी नहीं सोचा होगा कि वे जनता की सेवा करते-करते इतने आगे निकल आएंगे। दिग्विजय सिंह जी राजघराने से थे, सुख संपत्ति सब उनके क़दमों में थी लेकिन उन्होंने अपना सुख त्याग कर, दूसरों की सेवा करने को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। दिग्विजय सिंह जी का पूरा जीवन महात्मा गाँधी जी के जीवन से प्रेरित है। महात्मा गाँधी जी ने अंग्रेज़ों के खिलाफ लडने़ के उद्देश्य से देश के नागरिकों को एक जुट करने के लिए पूरे देश में बड़ी-बड़ी यात्राएँ की। ट्रैन से और पैदल उन्होंने पूरे देश की सडक़ों को नाप दिया था। गांधी जी ढलती उम्र तक चलते रहे कभी नहीं रुके। ठीक वैसे ही दिग्विजय सिंह जी जब अविभाजित मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बने तो उन्होंने पूरे प्रदेश के एक-एक ब्लॉक में सघन दौरे किये। चर्चा में आता है कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के तौर पर वे एक टाटा स्टेट गाडी से प्रदेश के कोने-कोने तक दौरे करते थे। वे भोपाल से 85 किमी दूर छत्तीसगढ़ के बस्तर के लिए दौरे पर निकल जाते थे। रास्ते में किसी भी शहर, किसी भी गाँव, किसी भी बस्ती में किसी के भी घर रात गुज़ार लेते थे। उनकी गाडी में ही पूरा बोरिया-बिस्तर होता था। उनकी पूरी राजनीति उनके पंच सिद्धांतों पर शुरू से ही केंद्रित रही संपर्क, संवाद, समन्वय, सामंजस्य और सकारात्मक सोच। इन्ही सिद्धांतों पर चलकर अथक मेहनत के परिणाम स्वरुप मध्यप्रदेश में 1993 में कांग्रेस की सरकार बनी और वे सरकार के मुखिया। सरकार बनाने के बाद भी दिग्विजय सिंह जी चलते रहे, ट्रैन से, कार से और हैलीकॉप्टर से पूरे प्रदेश के सघन दौरे किये। उनका हैलीकॉप्टर कभी भी किसी भी खेत में उतर जाता था अचानक बिना किसी सूचना के। ये उनकी मुख्यमंत्री के रूप में जुदा कार्यशैली थी, ऐसा करके वे ग्रामीण क्षेत्रों के वास्तविक हालात जानने का प्रयास करते थे। हरदा के गुलाब सिंह बताते हैँ कि एक बार उनके खेत में मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी का हैलीकॉप्टर उतरा था जब वे घोड़े पर सवार होकर खेत का भ्रमण कर रहे थे तब सीएम ने गुलाब सिंह के खेत में बने घर में खाना खाया था। इसी तरह स्वयं दिग्विजय सिंह जी ने बताया कि एक बार उन्होंने बालाघाट के नक्सली क्षेत्र के जंगल में हैलीकॉप्टर उतरवा दिया था पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देकर उन्हें वहां कहीं भी रुकने से मना कर दिया था तब भी उन्होंने मुख्यमंत्री रहते एक पुलिस चौकी में रात गुज़ारी थी। दिग्विजय सिंह जी की कार्यशैली में कभी भी पद या प्रतिष्ठा का अभिमान नहीं दिखाई दिया। उनके मंत्रिमंडल में सहयोगी रहे सुभाष सोजतिया जी बताते हैँ कि उन दिनों जब वे मुख्यमंत्री थे तब वे पानी को लेकर खूब सारे कार्यक्रम चलाते थे जिसमें तालाबों और स्टॉप डेमों के गहरीकरण के कार्य भी होते थे तब दिग्विजय सिंह जी चिलचिलाती धूप में सिर पर गमछा बाँध कर उन जगहों पर पहुँच जाते थे जहाँ गहरीकरण का कार्य चलता था। उनकी कार्यप्रणाली से लगता ही नहीं था कि वे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैँ। वे मुख्यमंत्री की कुर्सी को जन सेवा का एक माध्यम मात्र ही मानते थे। दिग्विजय सिंह जी ने 2017 में 33 किमी की पैदल नर्मदा परिक्रमा की तब भी उनकी ज़िद थी कि वे नर्मदा जी के किनारे पर ही पैदल चलेंगे। परिक्रमा के दौरान लोग नदी से दूर सडक़ों पर चलते हैँ लेकिन उनकी ज़िद थी कि वे परिक्रमा करते वक़्त नर्मदा जी को ओझल होते नहीं देखना चाहते इसीलिए वे उनके दर्शन करते हुए ही परिक्रमा करेंगे जिसके लिए नर्मदा जी के किनारे पर रहने वाले ग्रामीणों ने उनके लिए कई जगहों पर कच्चे रास्तों का निर्माण किया। 6 महीने चली उस परिक्रमा में भी शैली वही थी सुख सुविधाएँ त्याग कर नर्मदा जी के किनारों पर ही उन्होंने रात्रि विश्राम किया। उस दौरान पहली बार जनता ने एक बड़े नेता को इस तरह कठिन तपस्या करते नज़दीक से देखा। 2022 में जब राहुल गांधी जी ने भारत जोड़ो पद यात्रा की तो दिग्विजय सिंह जी के अनुभव के आधार पर उन्हें यात्रा का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया और उन्होंने बखूबी उस यात्रा को पूरा कराया। इस यात्रा में दिग्विजय सिंह जी ने खूब मेहनत की। यात्रा से पहले रुट का निरिक्षण, रुकने और भोजन की व्यवस्था बहुत कठिन कार्य था जिसे उन्होंने कुशलता के साथ सम्पन्न कराया। कार्यशैली यहाँ भी वही थी अपनी सुविधा उन्होंने हमेशा किनारे रखी। एक बार यात्रा के दौरान बुरहानपुर में दिग्विजय सिंह जी ने एक अतिविशिष्ट व्यक्ति के लिए अपने उस कंटेनर को छोड़ दिया था जिसमें वे रात्रि विश्राम करते थे। उसके बाद उनके रुकने के लिए जब बुरहानपुर की शुगर मिल के गेस्ट हाउस में उनकी व्यवस्था कराई गई तो उन्होंने वहां रुकने से मना कर दिया और कहा मेरे रुकने की व्यवस्था आगे किसी गाँव में किसी के भी घर में कर दो तब एक गाँव में विश्वकर्मा परिवार ने उन्हें रुकने की जगह दी जो वहां के एक आम नागरिक थे और जिनका कांग्रेस से या कहें कि राजनीती से ही दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं था। अचानक किसी के घर रात्रि रुकने का उनका तरीका हर खास और आम को जोडने़ का अचूक फार्मूला है। वर्तमान समय में कांग्रेस संघर्ष के दौर से गुजर रही है। लगातार सत्ता से बाहर रहने और हर राज्यों में लगातार होती हार की वज़ह से संघर्ष का रास्ता अपनाना हर किसी के लिए आसान नहीं है। ऐसे संघर्ष के दौर में भी दिग्विजय सिंह जी पूरे देश में दौरे करते नजर आ रहे हैँ। न रुकने का, न थकने का सिर्फ चलते रहने का नाम दिग्विजय सिंह है। उन्होंने वर्ष 2025 के जनवरी और फरवरी माह में ही अब तक पूरे देश में 18 हज़ार किलोमीटर की यात्राएँ कर डाली। जिसमें से इन दो महीनों में 4 हज़ार किलोमीटर की सडक़ यात्राएँ केवल मध्यप्रदेश में की। सिर्फ कहने को युवा होना और वास्तविक सोच से युवा होने में यही फर्क है। दिग्विजय सिंह जी 78 वर्ष के संघर्षशील युवा हैँ ये कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं है। दिग्विजय सिंह जी की उम्र कितनी भी हो लेकिन वे शरीर और दिमाग से एकदम चुस्त और तंदरुस्त हैँ। समूचे देश में चाहे किसी भी दल का नेता हो लगातार दौरे करने में दिग्विजय सिंह जी की बराबरी पर कोई भी नहीं है। ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलने और उनकी समस्याएं हल करने में आज भी उनकी बराबरी करने वाला कोई नहीं है। सबसे बड़ी बात, जितना उनमें सुनने की क्षमता है उतनी क्षमता आज के दौर के युवा नेताओं में बिल्कुल भी नहीं है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि वे अपनी समस्त क्षमताओं के साथ अनंत काल तक चेतन अवस्था में रहें। वे स्वस्थ और दीर्घायु हों उनके जन्मदिवस पर यही कामना है।

ललचाई नजरों से मांसाहार के लिए आतुर

रजनीश कपूर

आप सभी के भी ऐसे दोस्त व रिश्तेदार होंगे जो किसी शादी या नये साल के दावत में चिकन-मटन न मिलने पर ऐसा कहते हों, क्या घास-कूड़ा खिला दिया।' औसत दर्जे के लोग बटर चिकन, कढ़ाई चिकन, बोनलेस चिकन, चिकन कोफ्ता, मुर्गा दो प्याजा या मटन की तमाम किस्में खाते हैं। वरना भुना मुर्गा लार टपका कर निगल जाते हैं। जो जरा ज्यादा फैशनेबल हैं उनको सुबह नाश्ते में सासेज, सलामी आदि खाने की आदत पड़ जाती है, लंच में चिकन, लैम्ब सूप या प्रॉन (झींगा) वगैरह। डिनर में लॉबस्टर, फिश या कोई और चीनी या समुद्री खाना। भारत के सभी महानगरों से लेकर छोटे-छोटे कस्बों में यह देखकर आश्चर्य होता है कि किस ललचाई नजरों से लोग मांसाहार के लिए आतुर रहते हैं। जिनके पास साधन हैं वो यह सारी वस्तुएं आयातित मांस से पकाते हैं या पांच सितारा होटलों में ही खाते हैं। वरना दिल्ली के कनॉट पैलेस व अन्य इलाकों में कई रेस्टोरेंट व ढाबे हर शहर और राजमार्ग पर बिखरे पड़े हैं जहां सलाखों में मुगरे की मसाला लगी टांगे टंगी रहती हैं। पर अब जरा दूसरी तरफ देखिए अगर आप देश के बहुत ही संपन्न लोगों की संगति में बैठे हों तो आप पाएंगे कि बहुत से बड़े लोग मांसाहार छोड़ते जा रहे हैं। और तो और अमेरिका और यूरोप के देश जहां दस वर्ष पहले तक शाकाहार का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन आज काफी तादाद में मांसाहार पूरी तरह छोड़ चुके हैं। जानते हैं क्यों? पहली बात तो यह कि मानव शरीर शाकाहार के लिए बना है मांसाहार के लिए नहीं। यह बात हम अपनी तुलना शाकाहारी और मांसाहारी पशुओं से करने पर समझ सकते हैं। शेर, कुत्ता, घडियाल व भेडिया मांसाहारी हैं। गाय, बकरी, बंदर व खरगोश शाकाहारी हैं। मांसाहारी पशुओं को कुदरत ने दोनों जबड़ों में तेज नुकीले कीलनुमा दांत और खतरनाक पंजे दिए हैं। पर गाय और बंदर की ही तरह मानव को कुदरत ने ऐसे दांतों और पंजों से वंचित रखा है, क्यों? मांसाहारी पशु जैसे कुत्ता जीभ से पसीना टपकाता है। इसलिए हांफता रहता है। शाकाहारी पशुओं और मानव के बदन से पसीना टपकता है। मांसाहारी पशुओं की आंतें काफी छोटी होती है ताकि मांस जल्दी ही पखाने के रास्ते बाहर निकल जाए जबकि शाकाहारी जानवरों और मानव की आंतें अनुपात में तीन गुनी बड़ी और ज्यादा घुमावदार होती है ताकि अन्न, फल, सब्जियों का रसा अच्छी तरह सोख ले। यदि आप मांसाहारी है तो आपने नोट किया होगा कि फ्रिज के निचले खाने में इतनी ठंडक होने के बावजूद मांस कुछ ही घंटों में सडने़ लगता है। फिर मानव शरीर की गर्मी में मांस के आंत में अटक-अटक चलने में इसकी क्या गति होती होगी, कभी सोचा आपने ? आपने कभी सडक़ पर कुचला कुत्ता देखा है कितनी सी देर में उसमें से बदबू आने लगती है तो क्या हमारी आंत में पड़ा मांस तरोताजा बना रहता है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि मांसाहारी पशुओं के आमाशय में जो तेजाब रिसता है वह शाकाहारी पशुओं और मानव के आमाशय में रिसने वाले तेजाब से बीस गुना ज्यादा तीखा होता है, ताकि मांस जल्दी गला सके। ऐसे तेजाब के अभाव में हमारे आमाशय में पड़े मांस की क्या हालत होती होगी? भारत जैसे देश में, बहुसंख्यक आबादी किसी न किसी रोग से ग्रस्त है। हमारे शरीर में तरह-तरह की बीमारियां पल रही हैं, तो जो जानवर काटे जा रहे हैं उनके वातावरण, भोजन और रखरखाव में जो नर्क से बदतर जिंदगी होती है, उससे कैसा मांस आप तक पहुंचता है? फिर आप तो जानते हैं कि भारत में कितना भ्रष्टाचार है। जिन भी इंस्पेक्टरों की ड्यूटी कसाईखानों में लगी होती है उनसे क्या आप राजा हरिशचंद्र होने की उम्मीद कर सकते हैं? या वक्त के साथ चलने वाला होशियार आदमी। कई बरस पहले दिल्ली के पांच सितारा होटल में पोषण विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था। वहां दोपहर के भोजन के समय शोर मच गया। दुनिया भर से आए पोषण विशेषज्ञ डाक्टरों ने कहा कि लंच में जो मुर्गे परोसे गए वे सड़े हुए हैं। होटल के महाप्रबंधक तक खबर पहुंची। फौरन दौड़े-दोड़े बैंक्वट हॉल में आए। आयोजकों से माफी मांगी। सरकारी नौकरी चले जाने का हवाला देकर खुशामद की। समझौता हुआ कि लंच का जो बीस-तीस हजार रुपये का बिल बना था वो माफ हो जाएगा। तभी होटल वालों को पता चला कि वहां डाक्टरों की भीड़ में एक संवाददाता भी मौजूद था। घबराए हुए वे उस पत्रकार के पास आए और गिडिगड़ा कर कहने लगे कि ये खबर मत छापिएगा। लालच देने लगे कि आपके शादी में पचास फीसद बिल माफ कर देंगे। जब उसी पत्रकार ने इस पर तहकीकात की तो पता चला कि आमतौर पर कमीशन के चक्कर में सबसे सड़े, बासी और बेकार मुर्गे वहां और कई बड़े होटलों में खरीदे जाते हैं। कुछ समय बाद खबर छपी। %पोषण विशेषज्ञों को पांच सितारा होटल ने सड़े मुर्गे परोसे।' यह दिल्ली के एक प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल की कहानी है तो बाकी की बात आप खुद ही समझ लीजिए।

वीरभद्र मंदिर से पीपलेश्वर महादेव तक बनेगी सड़क

ऋषिकेश। भाजपा वीरभद्र मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक और मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने वीरभद्र मंदिर से पीपलेश्वर महादेव तक पक्की सड़क बनाने की बात कही। ऋषिकेश में बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान मंत्री अग्रवाल ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। यहां छोटे से लेकर बड़े कार्यकर्ताओं का सम्मान होता है। भाजपा में हर कार्यकर्ता स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है। कहा कि वीरभद्र मंडल में पिछले कार्यकाल में अनेक अभूतपूर्व कार्य किये हैं। कहा कि इस कार्यकाल में भाजपा संगठन को और मजबूत करने का कार्य करेंगे। मंत्री ने वीरभद्र मंदिर से पीपलेश्वर महादेव मंदिर तक सड़क बनाने के साथ ही मंदिर के चारों और पुश्ता बनाकर जीर्णोद्धार करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि पीपलेश्वर महादेव मंदिर तक रास्ता न बना होने के चलते आवागमन में दिक्कतें आती हैं। सड़क बनने के बाद आवागमन सुगम होगा। इस अवसर पर मंडल प्रतिनिधि बालम सिंह, भाजपा नेत्री पुनीता भंडारी, मनोरमा, पूनम डोभाल, पिंकी धस्माना, महिपाल सिंह, संजय ध्यानी, विवेक चतुर्वेदी, सुमित सेठी आदि उपस्थित रहे।

वन अधिनियम 1980 के मानकों में छूट दिए जाने की मांग

देहरादून। भाजपा के देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर वन अधिनियम 1980 के मानकों में छूट दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वन अधिनियम की वजह से राज्य के सीमांत क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण अटक गया है। गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्री से मुलाकात के दौरान विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि वन अधिनियम 1980 की वजह से राज्य में कई स्थानों पर सड़कों का निर्माण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र देवप्रयाग की तीन सड़कों का जिक्र करते हुए कहा कि इस वजह से एक बड़ी आबादी को सड़क की सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। उन्होंने चंद्रबदनी कांडीखाल, चुन्नीखाल- नौड़ा- तेगड़ मार्ग और चौंरीखाल- सिरवाड़ी- कांडा मार्ग का जिक्र करते हुए कहा कि इस वजह से लंबे समय से इन सड़कों को स्वीकृति नहीं मिल पा रही है जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि वन अधिनियम के मानकों में छूट प्रदान कर राज्य के सीमांत क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण कराया जाना चाहिए। राज्य में वन अधिनियम की वजह से बड़ी संख्या में सड़क व अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हाल ही में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान नियम 54 के तहत इस विषय पर चर्चा भी हुई। जिसमें सत्ता पक्ष के विधायकों के साथ ही विपक्ष ने भी इस अधिनियम के मानकों में छूट दिए जाने की जरूरत बताई। भाजपा विधायक दलीप रावत ने भी वन अधिनियम की वजह से राज्य में प्रभावित हो रहे विकास कार्यों का विषय उठाया था।

सोशल मीडिया में दुष्प्रचार करने पर भेजा नोटिस

श्रीनगर गढ़वाल। मेडिकल कॉलेज के बेस चिकित्सालय प्रशासन ने सोशल मीडिया में दुष्प्रचार करने पर एक व्यक्ति को लीगल नोटिस भेजा है। बेस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि संस्थान और अस्पताल के साथ ही खुद उनके खिलाफ सोशल मीडिया में गलत, झूठी और भ्रामक बातें प्रचारित कर उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। जिस पर एक व्यक्ति को लीगल नोटिस भेजा गया है। कहा कि अस्पताल में बिना किसी कारण जबरदस्ती वार्डों में आकर वीडियोग्राफी करना प्रतिबंधित है। यदि कोई इसका उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया कि गत 11 जनवरी को एक व्यक्ति जबरदस्ती डायलिसिस यूनिट में अपने साथ अन्य लोगों को लेकर आया और वीडियोग्राफी करने लगा, मना करने के बावजूद भी वीडियोग्राफी करता रहा। उक्त व्यक्ति द्वारा अस्पताल की सुविधाओं एवं डायलिसिस यूनिट के बारे में सोशल मीडिया पर झूठा और भ्रामक प्रचार किया गया और गलत तथ्यों को पेश किया गया।

नए शैक्षिक सत्र से पहले मिलेंगे सरकारी स्कूलों को 1317 एलटी शिक्षक

देहरादून। उत्तराखंड मे नया शैक्षिक सत्र शुरू होने से पहले ही सरकारी माध्यमिक स्कूलों को एलटी कैडर के 1317 नए शिक्षक मिल जाएंगे। गुरूवार को शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग चयनित एलटी शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक महीने का वक्त दिया है। मीडिया से बातचीत में डॉ. रावत ने कहा कि नवनियुक्त शिक्षकों को प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों में

प्राथमिकता के साथ नियुक्ति दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने 12 विभिन्न विषयों के 1544 रिक्त पदों पर भर्ती का प्रस्ताव चयन आयोग को भेजा गया था। इनमें 1317 पदों पर अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया गया है। इन विषयों में मिले शिक्षक- गणित-153, सामान्य-237, विज्ञान- 197, वाणिज्य- 15, संस्कृत- 21, उर्दू- ०1,इंग्लिश- 164, हिन्दी 179, कला-229, संगीत-०8, गृह विज्ञान-13, व्यायाम विषय- 1०० राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में शतप्रतिशत रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इससे जहां स्थानीय स्तर पर शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी वहीं छात्र-छात्राओं को भी पढ़ाई के लिये अन्यत्र विद्यालय नहीं जाना पड़ेगा।

पंचायत में मुस्तादी से कार्य करें नवनियुक्त अधिकारी : महाराज

देहरादून। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों के 126 पदों पर चयन के उपरांत गुरुवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक समारोह के दौरान उन्हें नियुक्ति सौंपे। इस अवसर पर उपस्थित प्रदेश के पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, सिंचाई, लोक निर्माण, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने नव नियुक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायतों को सशक्त करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसलिए दायित्व संभालने के बाद आप सभी अपनी-अपनी पंचायतों में अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पूर्ण निष्ठा और लगन से निर्वहन करते हुए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को धरातल पर अमली जामा पहनाने का कार्य मुस्तैदी से करें। पंचायतीराज मंत्री महाराज ने कहा कि पंचायतीराज विभाग द्वारा पंचायतों में विभिन्न विकासपरक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पंचायतों में अवस्थापना सुविधाओं के तहत् पंचायत भवनों का निर्माण, अतिरिक्त कक्षों का निर्माण आदि कार्य कराये जा रहे हैं।

किन्नरों की वसूली से परेशान ग्रामीणों ने पुलिस चौकी में सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा। ताकुला विकासखंड के बीना गांव में संसाधन पंचायत संगठन की महिलाओं ने पुलिस चौकी ताकुला में किन्नरों द्वारा की जा रही मनमानी वसूली के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। संगठन की बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि बसौली - ताकुला क्षेत्र में किन्नरों की मनमानी से सभी त्रस्त हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शादी-ब्याह, शिशु जन्म और अन्य शुभ अवसरों पर किन्नर बधाई के नाम पर मनमाना नजराना वसूल कर रहे हैं। यदि मनचाहा पैसा नहीं मिलता है, तो किन्नर बदसलूकी और अपशब्दों का उपयोग करते हैं, जिससे खुशी के मौकों पर विघ्न उत्पन्न होता है। आर्थिक तंगी का सामना कर रहे अधिकांश ग्रामीण बेरोजगार हैं और मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इस स्थिति में किन्नरों की नाजायज मांग पूरी करने में उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com